ज़ायद बही नं० 4 185

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
वसीयत	R.No = 168

स्टाम्प मालीयती शून्य
किताब तीन
पांच

R.F = 50.00
C.F = 2.00
Total = 52.00

Sub Registrar ...
Distt. Bilaspur (H.P.)

Government Judicial Paper

...जुज नं०।

... आयू 70 साल वल्द रामदित्तू वल्द
... साकन वहयात परगना व तहसील
...पुर H.P का हूं। मुजहर सायल
...स हो चुका है - अकसर कुछ
...ता हूं। ना जाने कब प्राण
... बादवफात अकसर जमीन जायदाद
...मे तनाजा पैदा हो जाता है
...को खत्म करने के वासते अपनी
... तैहरीर करवाने का ख्वाहां है।
...ुत्का से तीन पिसरान करमसिंह
...सिंह व दो दुख्तरान प्रीतमा देवी
... शुदा है। सायल ने अपनी दोनो
... घरो मे काफी दहेज देकर शादीया
... अपने - अपने घरो मे आबाद है।
... मौजा वहयात त० सदर मे कुल
...दादी 20-14 वि मदरजा खसरा
...10/1 - 73 - 80 - 96 - 40 किता 7
... दरज कागजात माल है। मुजहर
...त व परवरिश मेरे तीनो पुत्रान करते
... मन मुकर सायल की दिली ख्वाईश
...लीकयती आराजी मे से कुछ रकबा
...दी 1-8 वि खसरा नम्बर 73 वाक्या वहयात
त० सदर मे अपनी दोनो दुख्तरान प्रीतमा देवी व उषा देवी
को बराबर-बराबर हिस्सा वसीयत तैहरीर करवा कर दे दूं।

New Art Press JUC. 2074 Reg.

№ 791837 1989 Himachal Government Judicial Paper

वसीयतनामा जुज न० 1

मन के पोहलो राम आयू 70 साल वल्द रामदितू वल्द मसदी जात राजपूत साकन वहयात परगना व तहसील सदर जिला बिलासपुर H.P का हूँ। मुजहर सायल उमर रसीदा बूढा शख्स हो चुका है- अकसर कुछ बिमार सा भी रहता हूँ। ना जाने कब प्राण पखेरु उड़ जावे। बादवफात अकसर जमीन जायदाद को लेकर वारसान मे तनाजा पैदा हो जाता है। इस वास्ते तनाजा को खत्म करने के वास्ते अपनी हयात मे वसीयत तैहरीर करवाने का ख्वाहा है। मुजहर सायल के नुत्फा से तीन पिसरान करमसिंह सोहनसिंह व नेत्रसिंह व दो दुख्तरान प्रीतमा देवी व उषा देवी पैदा शुदा है। सायल ने अपनी दोनो दुख्तरान को अच्छे घरो मे काफी दहेज देकर शादीया कर रखी है- वो अपने-अपने घरो मे आबाद है। मुजहर सायल के नाम मौजा वहयात तैं० सदर मे कुल मलीकयती रकवा तदादी 20-14 वि मदरजा खसरा नम्बरान 31-32-$\frac{50}{1}$-73-80-96-50 किता 7 खाता नम्बर 516 दरज कागजात माल है। मुजहर सायल की खिदमत व परवरिश मेरे तीनो पुत्रान करते चले आ रहे है मन मुकर सायल की दिली ख्वाईश है- की अपनी मलीकयती आराजी मे से कुछ रकवा यानी रकवा तदादी 1-8 वि खसरा नम्बर 73 वाक्या वहयात तैं० सदर मे अपनी दोनो दुख्तरान प्रीतमा देवी व उषा देवी को बराबर-बराबर हिस्सा वसीयत तैहरीर करवा कर दे दूँ।

23-8-90

अष्टाम मालीयती — ५ ... ||
फिरात - तीन ... बकम ||
अंक — ५१ ... ||

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/90

यर्चीका [illegible] लाला हुआ [illegible] S/o [illegible]
सकना [illegible] तहसील सदर
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 23/8/1990
बवक्त [illegible] बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

पोहलो राम

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/90

जुज नम्बर 2

मन मुकर सायल इस वसीयतनामा की रुह से यह इकरार करके तहरीर करवा देता है कि मेरे बाद वफात मेरी मलकियती आराजी जो वाक्या वहयात तह० सदर दर्ज कागजात माल है- रकबा तादादी 1-8 वि मुंदरजा खसरा नम्बर 73 खाता नं० 3मि/5मि बरूए नकल जमाबन्दी सन् 1985-86 मुजहर की दोनों दुख्तरान प्रतिमा देवी व उषा देवी बहिस्सा मुसावी बराबर-बराबर मालकान तसुव्वर होवे। बकाया रकबा 14-6 वि मंदरजा खसरा नम्बरान 31-32-$\frac{44}{1}$-80-96-40 किता 6 वाक्या वहयात तहसील सदर के मेरे तीनों पिसरान करमसिंह सोहनसिंह व नेत्रसिंह बहिस्सा मुसावी बराबर-बराबर मालकान तसुव्वर होवे। इस उपरोक्त रकबा के अलावा सायल की जायदाद मनकूला व गैर मनकूला जहां कहीं भी वाक्या हो मेरे तीनों पिसरान करमसिंह सोहनसिंह व नेत्रसिंह बराबर-बराबर मालकान तसुव्वर होवे। सायल का S.B.I बिलासपुर में बचत खाता नं० 2344-A व बचत खाता No 3339 में जिस कदर भी रुपैया जमा होगा वो मेरे बाद वफात मेरी पत्नी गुलाब देई को दिया जावे। सायल ने इससे पहले कोई वसीयत तहरीर न करवा रखी है- यह सायल की

अलउब्द
पोहलोराम मल्ल
[illegible]

23/8/95

वसीका वसीयत वाला हुआ था पोहलो राम पुत्र रामदेव हरफ ब हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका की तमाम तहरीर व तकमील को सुन व समझकर सही तसलीम किया। इसकी शनाख्त श्री आत्मा राम [illegible] करते हैं। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हुआ तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता — पोहलो राम

शनाख्त कर्ता — O.K.G. Tehsil Sadar

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/95

No 791838 1989 Himachal Government Judicial Paper

जुज न० 3

पहली व आखरी बसीयत है। अगर इस वसीयत के इलावा कोई दिगर शख्स दूसरी बसीयत पेश करे - तो वो फर्जी व जाली तसुव्वर होवे। सायल का मरण संस्कार क्रिया कर्म मेरे तीनो पिसरान करने के पाबन्द होंगे। वसीयतनामा को हरुफ - हरुफ सुन व समझ कर दरुस्त तसलीम किया है। लिहाजा बकायमी होशो हवास व रोबरु गवाहन वसीयत तैहरीर करवा दी ताकि सन्द रहे। तैहरीर 20/8/90

अलअब्द
पोहलो राम मकर
पोहलो राम

साक्षी
बृजमोहन कुन्दीलाल वल्द हीरा राम मकान न० 208 डियारा सैक्टर बिलासपुर H.P
Brij Mohan

साक्षी
बली राम वल्द नत्थू राम वल्द गद्दी राम साकन बहयात परगना व तह० सदर जिला बिलासपुर H.P
Bali Ram

नोट- इस वसीयतनामा में लगभग 415 शब्द अंकित हैं।

कातब
Roshan Lal Thakar
Advocate
Court Bilaspur
20/8/90

Roshan Lal Thakur
B.A. LL.B. Advocate
Bilaspur (H.P.)

[illegible] No. 168 in Book 3 [illegible]

[illegible] 91 on page/pages 67 [illegible] this 23 rd

अगस्त 1990.

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/90